Shri Hari Vishnu Kamath: But it has not been replied to; it has not been answered. Is it a fact that he jumped bail and has absconded since and, if so, what measures are being taken by Government not merely to weed out such spies from NEFA and Assam but also such uncautious and probably suspect officers and other Indian citizens in Assam and NEFA?

Shri Lal Bahadur Shastri: As far as I am aware, the information of the hon. Member is not quite correct. Yet, I would also myself like to look into the details. But as far as I had come to know of it, I made enquiries and found that what the hon. Member has said just now is not wholly correct and any kind of reflection on the officers in regard to that particular matter is not justified.

Shri Hari Vishnu Kamath: What is the correct story then? Let us have it. If mine is not correct, let him give the correct story.

Mr. Speaker: Order, order.

Shri Tyagi: Was he given bail or not?

Mr. Speaker: The hon. Minister has said that it is not wholly correct. Therefore, naturally, Members want to know to what extent it is correct.

Shri Tyagi: Was he let off on bail or not?

Shri Lal Bahadur Shastri: I do not exactly remember the details, and therefore, I said that.

Shri Tyagi: Was he let off on bail or not?

Shri Hari Vishnu Kamath: Let him give the information tomorrow, then.

Mr. Speaker: But it is not necessary that it should be tomorrow.

Shri Hari Vishnu Kamath: During this session.

Shri Hem Barua: In view of the fact that the Chinese have displayed extraordinary knowledge of the difficult terrain as also of the unmapped tortuous tracks of NEFA, may I know whether it is not a fact that the Chinese have organised a deep-seated espionage ring in that area, even by allowing Chinese girls to be married to NEFA tribesmen and, if so, may I know whether the Government have taken any positive steps to see that the Chinese wives of Indian tribesmen do not percolate into the Assam plains with the stream of refugees that is coming up?

Shri Lal Bahadur Shastri: About the latter part, I entirely agree. In fact, that is the main question which the hon. Member has put. We will certainly be careful and take necessary action.

Shri Hem Barua: Sir, my question has not been answered. I wanted to know about the Chinese wives of the Indian tribesmen.

Shri Lal Bahadur Shastri: I answered that.

Mr. Speaker: That is what he answered.

श्री यशपाल सिंह : क्या मैं जान सकता हूं कि गिरफ्तार हुए चाइनीज़ की तादाद कितनी है ? क्या मैं यह भी जान सकता हूं कि क्या हिस्ट्री में कोई भी मिसाल ऐसी है कि दुश्मन पन्द्रह हज़ार फीट ऊंची पहाड़ियों को लांघ कर तीन दिन में ८५ मील आगे आ गया हो ?

अध्यक्ष महोदय : मिनिस्टर साहब सिर्फ़ यह बतायें कि गिरफ्तार हुए चाइनीज की तादाद कितनी है ?

श्री लाल बहादुर शास्त्री : उन की तादाद आसाम में ११०० और करीब ६३६ वेस्ट बंगाल में है ।

12.11 hrs.

Reported Attack on Dr. S. Gopal

श्री रामसेवक यादव (बाराबंकी) : अध्यक्ष महोदय, मैं नियम १९७ के अन्तर्गत प्रधान मंत्री का ध्यान निम्न अविलम्बनीय लोक महत्व के विषय की ओर आकृष्ट करता

[श्री राम सेवक यादव]

हूं और चाहता हूं कि वह इस सम्बन्ध में अपना वक्तव्य दें :—

"परराष्ट्र मंत्रालय में इतिहास विभाग के निर्देशक, डा० एस० गोपाल, पर उल्लिखित हमला ।"

प्रधान मंत्री तथा वैदेशिक कार्य मंत्री तथा अणु शक्ति मंत्री (श्री जवाहर लाल नेहरू) : कल जबकि हमारी तरफ़ से हमारी मिनिस्टर, श्रीमती लक्ष्मी मेनन, और डा० गोपाल सिंगापुर से मद्रास जा रहे थे, तो हवाई जहाज़ पर यह वाक्या हुआ । डा० गोपाल के पीछे की सीट पर बिहारी लाल नाम का एक शख्स बैठा हुआ था, जो सूराबाया में जूनियर क्लर्क था । वह वहां से अलग किये गये थे, क्योंकि उन की निस्बत कुछ शिकायतें हुई थी कि वह ठीक काम नहीं करते हैं । जहां तक मालूम हुआ है, उन्हों ने एक कांटे से कुछ हमला किया और डा० गोपाल को चेहरे और कंधे पर थोड़ी सी चोट लगी । मद्रास पहुंच कर उन को गिरफ्तार कर लिया गया और डा० गोपाल हस्पताल ले जाये गये । मालूम होता है कि चोट खतरनाक नहीं है । उन को थोड़ी सी चोट लगी है और वह अपने प्रोग्राम को पूरा करेंगे । आज वह और श्रीमती लक्ष्मी मेनन कोलम्बो जा रहे हैं ।

जैसाकि मैं ने कहा है, यह बिहारी लाल, जिन्हों ने यह हमला किया, वहां से हटाये गये थे, बुलाये गये थे, क्योंकि उन की कार्यवाही ठीक नहीं मालूम हुई । उन की निस्बत मैं इतना अर्ज करना चाहता हूं कि चार बरस हुए, वह तेहरान की हमारी ऐम्बसी में क्लर्क थे और उन्हों ने, उस वक्त वहां पर हमारे जो एम्बेसेडर थे, श्री बदरुद्दीन तयबजी, उन पर हमला किया था । उन्हों ने किसी हथियार से हमला नहीं किया, लेकिन उन्हों ने किया था, एसाल्ट किया था । वह वापिस बुला लिये गये थे और उन पर डिसिप्लिनरी एक्शन लिया गया था और उन की तन्ख्वाह वग़ैरह का बढ़ना, इज़ाफ़ा, रोक दिया गया था । उस वक्त कुछ शक हुआ था कि उन के दिमाग़ में ख़लल है, वह मेन्टली अनबेलेन्स्ड हैं । वह यहां पर, हैडक्वार्टर्ज़ में, उसी क्लर्क की हैसियत से दो तीन बरस रखे गये थे और इस साल की जनवरी में वह सूराबाया भेजे गये थे । अब वह वहां से बुलाये गये थे, क्योंकि वहां पर भी उन्हों ने ठीक काम नहीं किया । कुछ शिकायतें थीं शायद, लेकिन मालूम यही होता है कि उन के दिमाग़ में कुछ फ़ितूर है । मुझे बहुत अफ़सोस है कि ऐसी बात हुई, ख़ास कर हमारे हिस्टारिकल डिविज़न के डायरेक्टर, डा० गोपाल, के साथ, जोकि हमारे प्रेज़िडेन्ट साहब के लड़के है । और तो कोई ख़ास बात मैं इस वक्त नहीं कह सकता । ग़ालिबन उन पर मुकदमा चलेगा और जो कुछ भी मुनासिब कार्यवाही होगी, वह की जायगी ।

श्री रामसेवक यादव : अध्यक्ष महोदय, मैं यह जानना चाहता हूं कि जिस क्लर्क ने डा० गोपाल पर हमला किया, क्या उस को उन से यह शिकायत थी कि चाइना के प्रति उन का व्यवहार अमैत्री-पूर्ण है ।

श्री जवाहरलाल नेहरू : इस की तफ़सील नहीं आई है के उन पर किस बात पर हमला हुआ । लेकिन कुछ उन की बातें हुईं और बातों में—उस वक्त लंच का वक्त था । शायद छुरी-कांटे उन के सामने रखे हुये थे और वे लोग शायद खाना खा रहे थे—कांटे से उन पर हमला किया गया । वह शख्स शायद उन के पीछे बैठा था ।

श्री मोहन स्वरूप : प्रधान मंत्री जी ने अभी कहा है कि उसका दिमाग खराब था । मैं यह जानना चाहता हूं कि इस किस्म के आदमी को काम करने का दोबारा क्यों मौका दिया गया ।

श्री जवाहरलाल नेहरू : चार बरस हुये, जब कि तेहरान में वह वाकया हुआ था। वह यहां लाये गये। मुझे तफसील याद नहीं है, लेकिन गालिबन उस वक्त उन्होंने सफाई पेश की और माफी मांगी। यह समझा गया कि वह छोटे ओहदे पर हैं और उनको मौका दिया गया। लेकिन यह जाहिर है कि उन को मौका देने का कोई खास फायदा नहीं हुआ।

श्री स० मो० बनर्जी : प्रधान मंत्री जी ने फरमाया कि उस शख्स के दिमाग में फितूर था। मैं यह जानना चाहता हूं के आ खेर उस को अपनी नौकरी से हटाया क्यों गया था। क्या उस के खिलाफ कोई शिकायत थी? क्या ऐसा तो नहीं था कि वह हिंदुस्तान के खिलाफ काम कर रहा था?

श्री जवाहरलाल नेहरू : मैंने अर्ज किया है कि वह जकार्ता में हमारी एम्बेसी में नहीं थे। वह सूराबाया में हमारे कान्सुलेट में काम करते थे। वहां से शिकायतें आईं कि काम वगैरह ठीक नहीं होता है। तफसील हमारे पास इस वक्त नहीं है—हम एकदम से नहीं ला सकें है, लेकिन मेरा ख्याल है कि शुरू नवम्बर में उनकी शिकायतें हमारे पास आई थीं। १० नवम्बर को एम्बेसेडर ने लिखा था। हमने कुछ दिन बाद उन को लेखा था के उन को वापस कर दिया जाये और वह इस वक्त वापिस आ रहे थे।

श्री यशपाल सिंह : मैं यह जानना चाहता हूं कि डा० गोपाल को जो जानी नुक्सान हुआ है, उस का केस तरह से कम्पेनसेशन दिया जायेगा?

श्री बड़े : पेपर में यह आया है कि उस व्यक्ति ने यह कह कर डा० गोपाल पर हमला किया कि "यू आर एन्टी-कम्यूनिस्ट" और यह कि बिहारी लाल पहले से प्रो-कम्यूनिस्ट था और जकार्ता से उस के बारे में रिपोर्ट आ गई थी। मैं यह जानना चाहता हूं कि क्या ये बातें सच हैं।

श्री जवाहरलाल नेहरू : तेहरान में ऐसा कोई सवाल नहीं था। तेहरान में उन्होंने श्री तयबजी पर हमला किया था, लेकिन वहां तो यह सवाल नहीं उठता था।

श्री बड़े : मैं यह जानना चाहता हूं कि क्या प्रेस में छपी ये बातें सच हैं कि ऐरोप्लेन में बिहारी लाल ने डा० गोपाल पर यह कह कर हमला किया कि तुम एन्टी-कम्यूनिस्ट हो और वह खुद प्रो-कम्यूनिस्ट था।

Shri Jawaharlal Nehru: We do not have the exact details about the conversation. It is quite possible that he might have said something like that.

Shri Hem Barua: It seems that this Bihari Lal is not of a regular goonda type. Is it a fact that he was engaged in transmitting certain, confidential matters to the Chinese? That is the impression one gets for he used the words "you are unfriendly to China" and that sort of thing.

Shri Jawaharlal Nehru: That is a matter in which certainly a full inquiry should be made. The hon. Member may remember what I have said. He was not in our Embassy; he was in our Consulate in Sourabaya and the Consulate work normally does not consist of much confidential matter. Anyhow, that matter should be enquired into.

12.19 hrs.

PRESIDENT'S ASSENT TO BILLS

Secretary: Sir, I lay on the Table following two Bills passed by the Houses of Parliament during the current Session and assented to by the President since a report was last made to the House on the 8th November, 1962:

(1) The Appropriation (Railways) No. 5 Bill, 1962.

(2) The Appropriation (No. 5) Bill, 1962.